'सदा खुश रहो..' कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, डॉ. ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. लता, ब्र.कु. सुरेन्द्र तथा अन्य।

मनासा-नीमच(म.प्र.)। आज का व्यक्ति सारे दिन दौड़ धूप करके नौकरी, व्यापार, परिवार का भरण पोषण, समाज के दायित्व एवं सुख साधन जुटाने में ही लगा रहता है। परिणाम स्वरूप आत्मा रूपी बैटरी लगातार डिस्चार्ज होती जा रही है। व्यक्ति शरीर का भरण पोषण तो कर लेता है लेकिन आत्मा की खुराक सुख, शांति, प्रेम,आनंद की पूर्ति बिल्कुल नहीं कर पाता है। उक्त विचार राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने शिव सागर कॉलोनी मनासा के विशाल सद्भावना सभागार में आयोजित 'सदा खुश रहो.. मुस्कुराते रहो' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किये ।

उन्होंने कहा कि सुख शांति की गहरी अनुभूति के लिए अंतर्मुखी होकर परमात्मा का ध्यान लगाना ही राजयोग मेडिटेशन है, और आत्मा को चार्ज करने का एकमात्र साधन भी यही है। आत्मा के चार्ज होने पर सारे ही भौतिक कार्य सहजता से पूरे हो जाते हैं। इस कार्यक्रम में मनासा के 250 से अधिक प्रमुख स्त्री पुरूषों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मध्य में दिल्ली से आईं ब्र.कु. लता ने अनेकानेक तनावमुक्ति के टिप्स बताते हुए कॉमेंट्री द्वारा मेडिटेशन का अभ्यास भी करवाया तथा माउण्ट आबू से आईं डॉ. ब्र.कु. सविता ने स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन शैली जीने के गुर समझाए। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी संस्थान के नीमच एरिया डायरेक्टर ब्र.कु. सुरेन्द्र ने किया तथा कार्यक्रम संयोजिका ब्र.कु. ज्योति ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया ।

सकारात्मक परिवर्तन का स्तम्भ 'नारी शक्ति'

मनोवृत्ति के परिवर्तन से रहेंगे सुरक्षित : ब्र.कु.चक्रधारी

दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए अलिषा बेहुरा, सोनाली चक्रवर्ती, शताब्दी पाण्डे, ब्र.कु.चक्रधारी, ब्र.कु. कमला तथा ब्र.कु. आशा। सभा में शहर की गणमान्य महिलायें।

भिलाई-छ.ग.। भारतीय नारी सम्मान देकर ही सम्मान प्राप्त करती है। इसीलिए हमारी संस्कृति में पत्नी का नाम पहले आता है, लक्ष्मीनारायण, सीताराम आदि। आज अन्य देशों में तलाक की संख्या अधिक हो रही है। भारतीय नारी आजीवन अपने पति के साथ रहना चाहती है। यही आचरण उसे महान बनाता है।

उक्त उद्गार ब्र.कु.चक्रधारी ने 'सकारात्मक परिवर्तन का स्तम्भ नारी शक्ति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कन्याओं को देवी कहकर साल में दो बार नवरात्रि का पर्व मनाये जाने के बावजूद महिलाओं की सुरक्षा के लिए मानव की मनोवृत्ति में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। माँ बाप का फर्ज़ है कि बचपन से ही बच्चों को अच्छे गुणों व सुसंस्कारों की शिक्षा दें। आध्यात्मिकता बुढ़ापा आने के बाद अपनाई जाने वाली शिक्षा नहीं है बल्कि इसे बच्चों को बचपन से दी जाये तो किसी वृद्धाश्रम की ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी।

कार्यक्रम के उद्घाटन पश्चात् स्वयंसिद्धा ग्रुप द्वारा ''माता तुम जग निर्माता'' का लाइट एंड साउंड शो प्रस्तुत किया गया जिसमें समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने के लिए नारी शक्ति का आह्वान किया गया, जिसने सभा को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा सम्मानित दिव्यांग युवा सरपंच उत्तरा ठाकुर,ग्राम चीचा,पाटन जिन्होंने गांव के हर एक व्यक्ति को शौचालय बनाने के लिए प्रेरित किया, उनको सम्मानित किया गया। साथ ही नृत्य के क्षेत्र में अलिषा बेहुरा, मीडिया के क्षेत्र में भावना पाण्डे, कला के क्षेत्र में स्वयंसिद्ध ग्रुप की डायरेक्टर सोनाली चक्रवर्ती को सम्मानित किया गया। शताब्दी पाण्डे,अध्यक्षा,राज्य बाल संरक्षण आयोग ने कहा कि जो भी हम सुनते हैं उसके मनन चिंतन की आवश्यकता होती है। शुद्ध सात्विक प्रेम ही जीवन का आधार है। राजयोग सीखने के बाद बड़ी से बड़ी समस्या पर भी मन विचलित नहीं होता है, धैर्य बना रहता है।छ.ग. सेवाकेन्द्रों की आधार स्तम्भ ब्र.कु. कमला ने सभी का स्वागत किया तथा अपनी शुभकामनायें भी व्यक्त कीं। भिलाई सेवाकेन्द्रों की संचालिका ब्र.कु. आशा ने सभी के लिए आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु. माधुरी ने किया।

प्रकृति माँ और परमात्मा पिता के प्यार से जीवन आनंदित

तीन सौ लोगों ने इस कार्यक्रम में लिया भाग

मेडिटेशन द्वारा लोगों ने की गहरी आंतरिक अनुभूति

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. प्रभा, ब्र.कु. एकता, नवीन मैनी, कौशल पुंज, तथा ब्र.कु. अनुराधा। सम्बोधित करते हुए मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. अनुज। सभा में हाथ में लाइट लेकर आत्मिक स्थिति की अनुभूति करते भाई बहनें।

दिल्ली-डिफेन्स कॉलोनी। ब्रह्माकुमारीज़ के डिफेन्स कॉलोनी सेवाकेन्द्र द्वारा एक दिवसीय 'राजयोग द्वारा आनंदमय जीवन' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को अनुभूति कराने पर विशेष ज़ोर दिया गया।

'नर्चरिंग द सेल्फ थ्रू राजयोगा' विषय को सर्वप्रथम प्रमुख वक्ता मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. अनुज ने सारगर्भित रूप में सभी के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस दुनिया में हम अपने शरीर को ठीक तरह से पालना देते हैं तो शरीर सही चलता है। उसको पोषित अन्न देने से, अच्छी खुराक देने से बीमारी नहीं आती। वैसे ही हमारी आत्मा भी है, यदि उसको अच्छी तरह से हेल्दी बनाना है तो उसको भी अच्छे विचारों का भोजन देने की आवश्यकता है। आनंद चीज़ों में नहीं है, लोगों में नहीं है, आनंद तो हमारी नेचर है। आनंदित रहने के लिए किसी ऑब्जेक्ट के साथ आपको जुड़ने की ज़रूरत नहीं है। बस आनंद का संकल्प किया और नर्चरिंग शुरु हो गई।

डिफेन्स कॉलोनी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. प्रभा ने कहा कि आत्मा, परमात्मा और प्रकृति के संयोग से ही पूरी सृष्टि चलती है। अगर इसमें से एक में भी थोड़ी सी कमी हो और उसका एक-दूसरे से सामंजस्य ना हो, तो समस्या शुरु हो जाती है। तो हमें अपनी आत्मा को भी, प्रकृति अर्थात् अपने शरीर को और परमात्मा, तीनों को प्यार करना चाहिए। साथ ही ब्र.कु. एकता ने इस विषय को लेकर ही बहुत अच्छे तरीके से मेडिटेशन कराया। उच्च पदों पर आसीन रहने के पश्चात् ब्रह्माकुमारीज़ में राजयोग करने के बाद जो परिवर्तन आया, उसपर सिडबी के पूरे भारत के जेनरल मैनेजर नवीन मैनी तथा रिटायर्ड कर्नल कौशल पुंज ने अपने अनुभव युक्त विचार रखे। मंच संचालन ब्र.कु. अनुराधा ने बहुत ही कुशल रूप से किया। प्रमुख आकर्षण के रूप में सबके हाथ में लाइट देकर आत्मिक स्थिति का अभ्यास कराया गया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd May 2017
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।